

This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.

7332

A

M.A./I

SANSKRIT—Course 2

(Poetics)

Time : 2 Hours

Maximum Marks : 50

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम. ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फार्मल सैल आदि) के पूर्व परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की विशद व्याख्या कीजिए :

Explain fully any *four* of the following :

5 + 5 + 5 + 5 = 20

- (i) कीटानुविद्धरत्नादिसाधारण्येन काव्यता।
दुष्टेष्वपि मता यत्र रसाद्यनुगमः स्फुटः॥
- (ii) वर्णाः पदं प्रयोगार्हानन्वितैकार्थबोधकाः।
- (iii) परस्य न परस्येति ममेति न ममेति च।
तदास्वादे विभावादेः परिच्छेदो न विद्यते॥

[P.T.O.]

(iv) वाक्ये शब्दार्थशक्त्युत्थस्तदन्ये पदवाक्ययोः।

(v) यन्नाद्यवस्तुनः पूर्वं रङ्गविघ्नोपशान्तये।

कुशीलवाः प्रकुर्वन्ति पूर्वरङ्गः स उच्यते।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए :

Attempt any *two* of the following : 10 + 10 = 20

(i) साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य के प्रयोजनों का निरूपण कीजिए।

Describe the purpose of poetry according to Sāhityadarpaṇa.

(ii) विश्वनाथ के अनुसार व्यञ्जना के स्वरूप का विशद विवेचन कीजिए एवं इसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए।

Elaborate the concept of Vyañjanā according to Viśvanātha and mention its main varieties.

(iii) विश्वनाथ द्वारा प्रतिपादित 'साधारणीकरण' सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

Discuss the theory of Sādhāraṇīkaraṇa as propounded by Viśvanātha.

(iv) नायक के स्वरूप और भेदों का निरूपण कीजिए।

Elucidate the concept and kinds of Hero.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए; जिनमें से एक संस्कृत में हो : 5 + 5 = 10

Write short notes on any *two* of the following, *one* of which should be in **Sanskrit** :

वाक्य, लक्षणा, नान्दी, प्रवेशक, कथा।